भारतीय विद्यालय डारसेट

हिंदी विभाग

पाठ: मीरा के पद   कायपत्रिका को तिथिः -------------

संसाधन व्यक्ति: श्रीमती बीना स्टीफन   तिथिः------------------------------

विद्यार्थी का नाम :----------------------   कक्षा : X ब

प्रश्नोत्तर

प्र.1पहले पद म मीरा ने हरि से अपनी पीड़ा हरने को विनती किस प्रकार को है ?

उ.1मीरा ने हरि से अपनी पीड़ा हरने को विनती करते हुए अनेक भक्तों के उदाहरण दिए ह जिनको श्रीकृष्ण ने संकट के समय रक्षा को, और उनके दुखों को दूर किया ।वे कहती ह कि है कृष्ण! आपने चीर बढ़ाकर द्रोपदी को लाज रखी थी रक्षा को प्रहलाद , के लिए नृसिंह का अवतार धारण किया थाऔर था बचाया को गजराज हुए डूबते , हाथी का कष्ट मगरमच्छ को मारकर दूर किया थामेरी ,हूँ पीड़ित भी म प्रकार इसी , भी पीडा हरो ।

प्र.2दूसरे पद म मीराबाई श्याम को चाकरी क्यों करना चाहती ह ? स्पष्ट कोजिए ।

उ.2मीरा श्याम को अनन्य भक्त ह । वे उनको चाकर बनकर रहना इसलिए चाहती ह जिससे हर समय अपने प्रिय को निहार सकसक। रह निकट उनके और सक कर दशन,

प्र.3मीराबाई ने श्रीकृष्ण के रूप है किया कैसे वणन का सौंदय-?

उ.3श्रीकृष्ण के सिर पर मोर मुकुट तथा शरीर पर पीले वस्त्र सुशोभित हो रहे ह । गले म वैजयंती फूलों को माला शोभायमान है । मुरली को मधुर तान से सबको मोहित करते हुए श्रीकृष्ण वृंदावन म गाएँ चराते ह । इस प्रकार मीराबाई ने श्रीकृष्ण के सौंदय का वणन किया है ।

प्र.4मीराबाई को भीषाशैल-ी पर प्रकाश डालिए ।

उ.4मीराबाई के पदों म राजस्थानीहै। देता दिखाई प्रयोग का बोली खड़ी और ब्रज ,गुजराती, मीराबाई का जन्म राजस्थान म हुआ था और ब्रज के वृंदावन एवं गुजरात के द्वारिका तक उनको कम-भाव ,तरलता को हृदय नारी म भाषा को मीरा रही। भूमि- भक्ति को सरसता और संगीत को मधुरता – इन तीनों के योग से मीरा को भाषा मिश्री जैसी मीठी हो गई है ।प्रत्येक पद भक्ति के माधुय गुण और शांत भाव प्रदर्शित करते ह।

प्र.5वे श्रीकृष्ण को पाने के लिए क्या है तैयार को करने क्या-?

उ .5वे श्रीकृष्ण को पाने के लिए निम्नलिखित काय करने को तैयार है-

। ह चाहती करना चाकरी का श्रीकृष्ण वे -

। ह चाहती लगाना बाग लिए उनके वे -

ह। चाहती करना गायन का लीलाओं को श्रीकृष्ण म गलियाँ कुंज को वृंदावन वे -

है। चाहती रखना को श्रीकृष्ण उसम बनाकर महल ऊँचे-ऊँचे वे -

। है चाहती करना दशन उनके कर पहन साड़ी कुसंबी वे -